उर्दू भाषा को बढ़ावा देना

2823. मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 1 अक्तूबर, 1994 के "दि हिन्दुस्तान टाइम्स" में "प्रमोटिंग डिस्क्रिपेंसीज इन स्टडीज इन उर्दू" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या यह सच है कि ब्यूरो उर्दू को बढ़ावा देने के उद्देश्य को प्राप्त करने में पूर्णतया विफल रहा है;

(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ब्यूरों के अधिकांश अधिकारी बेकार है तथा उर्दू को अत्यंत नुकसान पहुंचा रहे हैं; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही कर रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, हां ।

(ख) सरकार ने यह नोट किया है कि समाचार-पत्र में यह आरोप लगाया गया है कि विशेषज्ञ-पेनल तथा इसके कार्यकरण के संबंध में उपलब्ध सूचना पूरी नहीं थी, कि सहायता अनुदान की योजनाओं के संबंध में समाचार-पत्रों में पर्याप्त रूप से प्रचार नहीं किया गया था, कि एक विशेषज्ञ-पेनल द्वारा अस्वीकृत की गई एक पुस्तक अनुवाद के लिए दी गई थी और अस्विकृत की गई पुस्तक की पाण्डुलिपि अनुकूल टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक और विशेषज्ञ को भेज दी गई थी, कि ब्यूरो के अधिकारियों द्वारा अनावश्यक रूप से निरंतर दौरे किए गए थे, कि एक सेमिनार के आयोजन के लिए निधियां जो न तो मांगी गई थी अथवा न ही संस्वीकृत आदि की गई थीं, मुक्त की गई थी ।

(ग) यही सही नहीं है कि ब्यूरो उर्दू संवर्धन के प्रयोजन में बुरी तरह से असफल रहा है । यह उल्लेखनीय है कि ब्यूरो ने अभी तक 725 पुस्तकें प्रकाशित की हैं, 12 खण्डों में उर्दू विश्व-शब्दकोश तैयार किया है, 6 खंडों में अंग्रेजी और उर्दू शब्दकोश संकलित किया है, तकनीकी शब्दों की 10 शब्दावलियां प्रकाशित की और 7 शब्दावलियों की पांडुलिपियां तैयार की हैं और 4 शब्दावलियों का कार्य प्रगति पर है, सुलेखन की कला की सुरक्षा तथा उसके संवर्धन के लिए 44 सुलेखन प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित कर दिए गए हैं, अभी तक लगभग 3500 छात्रों ने अपने-अपने प्रशिक्षण पूरे कर लिए हैं और प्रत्येक वर्ष लगभग 400 प्रशिक्षार्थी सुलेखन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करते हैं, जिनके सहयोग से पुस्तक प्रकाशन उद्योग में मूल्यवान परिणाम सामने आए हैं, ब्यूरो ने विभिन्न राज्य उर्दू अकादमियों के संवर्धन कार्यकलापों को समन्वित किया । इसने भारत के पांच राज्यों में पांच राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किये हैं और दो सेमिनार पाकिस्तान में आयोजित किये जाते हैं, ब्यूरो ने पाकिस्तान में 3 पुस्तक प्रदर्शनियां आयोजित की हैं, ब्यूरो अंग्रेजी पाठों को उर्दू में अनुदित करने में रा० शै० अनु० प्र० परि० के साथ समन्वय करता है और 200 से अधिक पाठ्यपुस्तक रा० शै० अनु० प्र० परि० के लिए अनुदित की गई है, ब्यूरो ने पूरे देश के अनेक कालेजों के लिए संदर्भ तथा पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की हैं ।

(घ) यह सही नहीं है कि ब्यूरो के अधिकांश अधिकारी तथा कर्मचारी बेकार हैं और उर्दू को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं ।

(ङ) सरकार ने अब राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद का गठन किया है, जो उर्दू भाषा का संवर्धन विकास तथा प्रचार करेगी, आधुनिक संदर्भ में विकसित किए गए विचारों की जानकारी के साथ-साथ वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय विकासों का ज्ञान, उर्दू भाषा में उपलब्ध कराने के लिए कारंवाई करेगी और परिषद द्वारा यथा उपयुक्त भाषा के संवर्धन हेतु इस प्रकार के किसी भी कार्यकलाप को आरंभ करेगी ।

Setting up of International Hindi University

2824. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal under consideration to set up an International Hindi University in the country;

(b) if so, what decision has been taken by Government in this respect;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) the place selected for the purpose?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (d) Based on the report of the Expert Committee set up under the chairmanship of Dr. Shiv Mangal Singh 'Suman', the Government have decided to set up the Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya at Wardha and to prepare and propose legislation for consideration of the Parliament.